अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : पाँचवी – जैन धर्म चंद्रिका (परीक्षा 24 जुलाई, 2016)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. किसी भी प्रकार की नकल नहीं करें एवं किसी से बातचीत का भी प्रयास नहीं करें। इसके अंक काटे जा सकते हैं अथवा परीक्षा निरस्त की जा सकती है।
5. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
6. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	कुल योग
प्राप्तांक						
पूर्णांक	10	10	10	28	42	100
पुनः जाँच						

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) प्रतिक्रमण का सार किस पाठ में आता है-

(क) आगमे तिविहे का पाठ (ख) दर्शन सम्यक्त्व का पाठ

(ग) इच्छामि ठामि का पाठ (घ) चत्तारि मंगल का पाठ ( )

(b) आगम कितने प्रकार के होते हैं-

(क) 2 (ख) 3

(ग) 4 (घ) 5 ( )

(c) अव्रत का प्रतिक्रमण किसने किया -

(क) श्रेणिकराजा (ख) प्रदेशी राजा

(ग) शैलकराजर्षि (घ) प्रसन्नचन्द राजर्षि ( )

(d) 'मोहरिए' अतिचार किस व्रत से सम्बन्धित है -

(क) पाँचवाँ (ख) छठा

(ग) सातवाँ (घ) आठवाँ ( )

(e) कर्मादान के अतिचार हैं -

(क) 5 (ख) 15

(ग) 75 (घ) 99 ( )

(f) दिशा परिमाण व्रत है -

(क) छठा (ख) सातवाँ

(ग) आठवाँ (घ) नववाँ ( )

(g) आचार्य में गुण होते हैं-

(क) 12 (ख) 8

(ग) 36 (घ) 27 ( )

(h) आठ कर्मों की कुल उत्तरप्रकृतियाँ हैं-

(क) 148 (ख) 93

(ग) 28 (घ) 9 ( )

(I) असाता वेदनीय कर्म कितने प्रकार से बँधता है -

(क) 8 (ख) 12

(ग) 6 (घ) 4 ( )

(j) उपयोग का थोकड़ा किस सूत्र से लिया गया है -

(क) उत्तराध्ययन सूत्र (ख) पन्नवणा सूत्र

(ग) भगवती सूत्र (घ) ठाणांग सूत्र ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1 = (10)**

(a) धर्म के फल में संदेह करना 'कंखा' कहलाता है। ( )

(b) वस्त्र, आभूषण परिभोग की वस्तुएँ हैं। ( )

(c) सद्दाणुवाए दसवें व्रत का अतिचार नहीं है। ( )

(d) झूसणा का अर्थ सेवन करना है। ( )

(e) महाव्रत की अपेक्षा छोटा होता है अणुव्रत। ( )

(f) वस्तु के सामान्य धर्म को जानना ज्ञान कहलाता है। ( )

(g) मोहनीय कर्म की उत्कृष्ट स्थिति 30 कोडाकोडी सागरोपम है। ( )

(h) तिर्यंच पंचेन्द्रिय आठ उपयोग लेकर निकलते हैं। ( )

(i) मनुष्य गति में सबसे कम भय संज्ञा वाले होते हैं। ( )

(j) चौदह नियमों में दसवाँ नियम विलेपन है। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1 = (10)**

(a) मैं जीव सहित वस्तु हूँ। .....

(b) मैं जानने योग्य है परन्तु आदरने योग्य नहीं हूँ। .....

(c) मैं परलोक में देवता, इन्द्र आदि के सुख की कामना करने से होता हूँ। .....

(d) मैं प्रतिक्रमण में प्रकाश का पाठ हूँ। .....

(e) मैं संयम की रक्षा के लिए उपयोगपूर्वक की जाने वाली मन, वचन, काया की प्रवृत्ति हूँ। .....

(f) मैं 42 दोष टालकर भिक्षा आदि लेने की सम्यक् प्रवृत्ति कहलाती हूँ। .....

(g) मेरे 16 दोष देने वाले दाता के निमित्त से लगते हैं। .....

(h) मैं एक ऐसा दोष हूँ, जो निर्बल से सबल जबरदस्ती छीन कर देवें तो लगता हूँ। .....

(i) मैं एक ऐसा दोष हूँ, जो अपनी जाति कुल आदि बताकर आहारादि लेवे तो लगता हूँ। .....

(j) हम ऐसे कितने दोष हैं जो गृहस्थ व साधु दोनों को लगते हैं। .....

प्र.4 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में लिखिए **14x2 = (28)**

(a) 'महत्तरागारेणं' का अर्थ लिखिए।

.....

.....

(b) 'परियट्टिए' का अर्थ लिखिए।

.....

.....

(c) **ग्रहणैषणा के दो भेदों के केवल नाम लिखिए।**

.....

.....

(d) **साधु को आहार करते समय कितने दोष लगते हैं? अंतिम दोष का नाम लिखिए।**

.....

.....

(e) **आदान भाण्ड मात्र निक्षेपणा समिति का अर्थ लिखिए।**

.....

.....

(f) **भक्तामर स्तोत्र में इष्ट देव को नमस्कार किया गया है। क्यों?**

.....

.....

(g) **अल्पश्रुतं ..... बलान्मान। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

(h) **कुंथुनाथ ..... शीश। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

(i) **मल्लिनाथ ..... चित्त में धरते। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

(j) **उग्गए सूरे पोरिसिं ..... वोसिरामि। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

.....

(k) **एकासना प्रत्याख्यान का पाठ लिखिए।**

.....

.....

.....

(l) **आयम्बिल सूत्र लिखिए।**

.....

.....

.....

(m) **निम्न आगार किस सूत्र से हैं-**

दिसामोहेणं- ..... गिहिसंसट्ठेणं- .....

सागारियागारेणं- ..... लेवालेवेणं-.....

(n) **आयंके ..... वोच्छेयणट्ठाए। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए : - **14x3=(42)**

(a) **चारित्र किसे कहते हैं?**

.....

.....

.....

.....

(b) **मिथ्यादर्शन शल्य क्या है?**

.....

.....

.....

.....

(c) **अतिक्रम एवं अतिचार का अर्थ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(d) **रात्रि-भोजन-त्याग को 12 व्रतों में से किस व्रत में सम्मिलित किया जाना चाहिए?**

.....

.....

.....

.....

(e) **अतिथि संविभाग व्रत का स्वरूप लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(f) **संलेखना किसे कहते हैं?**

.....

.....

.....

.....

(g) **करेमि भंते के पाठ को प्रतिक्रमण करते समय पुनः पुनः क्यों बोला जाता है?**

.....

.....

.....

.....

(h) **निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए -**

साडीकम्मे- ..... **निसीहि- .....**

सेज्जासंथारए- ..... **पडिलेह -.....**

कालाइक्कमे- ..... **विराहणाए-.....**

(i) **निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए -**

विज्जा- ..... **धूमे- .....**

पिहिय- ..... **औघिक -.....**

ग्रहणैषणा- ..... **ठवणा-.....**

(j) **परिभौगेषणा किसे कहते हैं? भेद सहित समझाइए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(k) **आस्तां ..... विकासभांजि। गाथा को पूर्ण कर भावार्थ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(l) **सम्पूर्णमण्डल ..... यथेष्टम्। गाथा को पूर्ण कर भावार्थ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(m) **श्री ऋषभ ..... शांति करो श्री सन्त। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(n) **सुपार्श्वनाथ ..... अनन्तनाथ को वन्दन करते। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....